खेतिहर महिलाओं की प्रक्षेत्र गतिविधियों में व्यावसायिक स्वास्थ्य ख़तरे

नेहा कनौजिया और डॉ. राम नरेश

[1]चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर

[2]भा.कृ. अनु. परि. अटारी, कानपुर

Received: **January, 2023;** ***Revised:*** **February, 2023** ***Accepted:*** **February, 2023**

कृषि में खेतिहर महिलाओं की भूमिका कई दशकों से कृषि और संबंधित गतिविधियों में तेजी से पहचान और जागरूकता की जा रही है। हालांकि विभिन्न कृषि अधिकार के अनुसार उनकी भागीदारी की प्रकृति और सीमा क्षेत्र से क्षेत्र भिन्न होते हैं।ग्रामीण खेत और घरेलू गतिविधियाँ दोनों का बोझ लाद देती हैं, लेकिन उनके योगदान में कड़ी मेहनत पूरी तरह से पहचानी नहीं जा पाती है। संबंध और प्रमुख कृषि गतिविधियां जैसे बीजों की खरीद, स्थिति का उपयोग, मोड्यूल फार्म तकनीकीतक पहुंच, फसल की पसंद की वृद्धि की पसंद, कृषि उत्पादन आदि का विपणन करने में निर्णय निर्धारण की शक्ति की कमी उनकी स्थिति को और भी कमजोर बनाती है।यह कहना अन्यायपूर्ण नहीं है कि खेतिहर महिलाओं को उनकी उचित मान्यता, महत्व और महत्व दिया जाता है, केवल उन्हें ही काम दिया जाता है। लेकिन, आज, वैज्ञानिक यह साबित करने के लिए प्रयास कर रहे हैं खेतिहर महिलाएं कृषि में एक बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता है। लेकिन साथ ही, भारत में वर्तमान काम करने की स्थिति खेतिहर महिलाओं के समग्र स्वास्थ्य पर अजनबी स्वास्थ्य प्रयासों को प्रस्तुत कर रही है, जो कि कृषि उपज पर नकारात्मक प्रयास करते हैं, इस प्रकार खेतिहर महिलाओं और उनके परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति कम करते हैं।

कृषि लोक
e-ISSN No. 2583-0937
कृषि लोक,खंड 03 (02): 60-62, 2023

e-ISSN No. 2583-0937

कृषि में खेतिहर महिलाओं द्वारा सामना किए जाने वाले व्यावसायिक स्वास्थ्य खतरों के प्रकार

शारीरिक जोखिम:

- शोर, कंपन, खराब रोशनी, आयनीकरण और गैर-आयनीकरण विकिरण और सूक्ष्म जलवायु सभी स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं।
- जंगली और जहरीले जानवरों जैसे कीड़े, मकड़ियों, बिच्छू, सांप, कुछ जंगली स्तनधारियों के संपर्क में आने से स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

रासायनिक खतरे:

- स्वास्थ्य प्रभावों में केंद्रीय तंत्रिका तंत्र और यकृत (सॉल्वैंट्स के संपर्क में आने के कारण), कीटनाशक विषाक्तता, त्वचीय और श्वसन एलर्जी, डर्माटोम्स, कैंसर और प्रजनन संबंधी विकार शामिल हैं।
- टोल्यूनि नामक रसायन के संपर्क में आने वाली महिलाओं ने डिसमेनोरियल, अनियमित चक्र और सहज गर्भपात सहित मासिक धर्म की शिथिलता की अधिक आवृत्ति की सूचना दी है।
- जहरीले संक्षारक, एलर्जेनिक और कार्सिनोजेनिक रसायन स्थानीय क्रिया, साँस लेना और अंतर्ग्रहण द्वारा थ्रेशोल्ड लिमिट वैल्यू (टीएलवी) से परे सांद्रता के संपर्क में आते हैं।

जैविक खतरे:

- जैविक खतरों के स्रोतों में बैक्टीरिया, वायरस, कीड़े, पौधे, पक्षी, जानवर और मनुष्य शामिल हो सकते हैं।
- ये स्रोत त्वचा की जलन और एलर्जी से लेकर संक्रमण तक कई तरह के स्वास्थ्य प्रभाव पैदा कर सकते हैं।
- उदाहरण के लिए, तपेदिक, जिल्द की सूजन, कैंसर, आदि।

यांत्रिक खतरे:

- बिना सुरक्षा वाली मशीनरी
- कार्यस्थल में असुरक्षित संरचनाएं और खतरनाक उपकरण

एर्गोनॉमिकल खतरे-

- गलत औज़ार
- अनुचित कार्यस्थल व्यवस्था
- मशीनी का एक गलत अभिन्यास
- खराब मैनुअल संचालन तकनीक

खेतिहर महिलाओं के व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के उपाय

- लागू कानून और विनियमों का अनुपालन।
- व्यावसायिक और सुरक्षा खतरों के कारण जोखिम को समाप्त/नियंत्रित/न्यूनतम करने के लिए उद्देश्य और लक्ष्य निर्धारित करना।
- व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा (OH&S) पहलुओं पर कर्मचारियों का उचित संरचित प्रशिक्षण।
- कर्मचारियों, ग्राहकों और आपूर्तिकर्ताओं के बीच पर्यावरण जागरूकता में वृद्धि।
- खेतिहर महिलाओं को फफूंदी वाली फसलों के बीजाणुओं में सांस लेने से बचने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए।
- खेतिहर महिलाओं को कीटनाशकों का उपयोग करने और कीटनाशकों से जुड़ी चोटों को रोकने के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए।
- रासायनिक या जैविक खतरों के संपर्क को कम करने के लिए सुरक्षित संचालन प्रक्रियाओं और उचित व्यक्तिगत स्वच्छता तकनीकों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए।

e-ISSN No. 2583-0937

किसी व्यक्ति द्वारा उपयोग किए जाने वाले कीटनाशकों के कारण होने वाले हानिकारक प्रभावों के प्रकारों को जानना चाहिए। खेतिहर महिलाओं को सामान्य रूप से प्रयोग किये जाने वाले कीटनाशकों की जानकारी निम्न शीर्षों पर उपलब्ध करायी जाये:

- मानव तंत्र पर विष की क्रिया,
- तीव्र विषाक्तता (प्रणालीगत) प्रभाव,
- तीव्र जलन प्रभाव,
- विलंबित या एलर्जी प्रभाव, और
- कीटनाशक का प्रकार।

सामान्य प्रबंधन

उत्पाद का उपयोग करने से पहले उपयोग किए जाने वाले कीटनाशक के लिए सुरक्षा डेटा शीट या तकनीकी सूचना पत्र से परामर्श करें। कुछ कीटनाशकों में मारक होते हैं। यदि कोई ऐसे कीटनाशक का उपयोग कर रहा है जिसमें मारक है, तो सुनिश्चित करें कि स्थानीय अस्पताल या स्वास्थ्य देखभाल सुविधा एंटीडोट की आपूर्ति करती है और इसके उपयोग के बारे में जानकार है। यदि आवश्यक हो तो एक किसान को निर्माता/आपूर्तिकर्ता और/या कीटनाशक और कार्यस्थल से परिचित डॉक्टर से अतिरिक्त सलाह लेनी चाहिए। कीटनाशकों का उपयोग करने से पहले कुछ एहतियाती उपाय इस प्रकार हैं:

सुरक्षा उपाय

- प्राथमिक चिकित्सा में प्रशिक्षण प्रदान करें।
- जानें कि चिकित्सा सहायता कहां और कैसे प्राप्त करें।
- प्राथमिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध रखें जैसे आँख धोना/शावर, प्राथमिक चिकित्सा किट, साबुन और पानी।
- आवश्यक होने पर प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करते समय उपयुक्त सुरक्षात्मक कपड़े और उपकरण पहनकर स्वयं को सुरक्षित रखें।
- कई कीटनाशकों को होंठ और मुंह सहित त्वचा के माध्यम से अवशोषित किया जा सकता है। अपनी रक्षा करना हमेशा याद रखें।
- अगर किसी कर्मचारी की आंखों में छींटे पड़ जाते हैं, तो तुरंत कम से कम 15-20 मिनट तक आंखों को पानी से धोएं और चिकित्सकीय सहायता लें।
- कीटनाशक के डिब्बे या लेबल को साथ रखें।